

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तरांचल,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक ३१ मार्च २००५

विषय : वित्तीय वर्ष २००४-०५ के लिए आयोजनागत मदों में पुनर्विनियोग द्वारा धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या: ११४७/मु०अ०वि०/बजट/बी-१, सामान्य, दिनांक १४.०३.२००५ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि संलग्न बी०एम०-१५ पर अंकित विवरणानुसार उपलब्ध बचतों से व्यावर्तन द्वारा रु० ४०.०० लाख (रुपये चालीस लाख मात्र) की धनराशि के व्यय करने की स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- १- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरुद्ध ही किया जाय, व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- २- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- ३- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, टैण्डर, कुटेशन विषयक नियम तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- ४- स्वीकृत धनराशि का खण्डवार विभाजन/फॉट मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष सिंचाई विभाग उत्तरांचल द्वारा किया जायेगा, जिसका विवरण शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा।
- ५- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- ६- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक भारत सरकार, महालेखाकार उत्तरांचल राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

क्रमशः.....२

(2)

- 7- कार्य की समय बद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 8- विभागीय कार्य करने से पूर्व लोक निर्माण/सिंचाई विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2005 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा और यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित किया जायेगा।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक की अनुदान सं०-20 के अन्तर्गत संलग्नक में आयोजनागत पक्ष के उल्लिखित उप शीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 401/वि० अनु०-1/2004 दिनांक 31 मार्च 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

टीकम सिंह पंवार
संयुक्त सचिव

संख्या ११५ / ११-2005-03-(05)/05, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वित्त वित्त अनुभाग-3।
- 3- श्री एम०एल० पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट, अनुभाग, उत्तरांचल शासन।
- 4- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री।
- 6- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 7- कोषाधिकारी/जिलाधिकारी, देहरादून उत्तरांचल।
- 8- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9- गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।


(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव

नियंत्रक अधिकारी-मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिविल, उत्तरांचल

उत्तरांचल

अनुदान संख्या-20

वित्तीय वर्ष 2004-05

(अयोजनागत)

(धनराशि हजार ₹0 में)

प्रशासनिक विभाग:- सिविल विभाग,

बजट प्राविधान एवं लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मंद्यार अद्यधिक व्यय 02/05 तक	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरवस धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित की जानी है	पुनर्विनियोग के बाद सतम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद सतम्भ-1 की कुल धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
4701-मुख्य तथा मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परियोजनाएं 01-मध्यम सिंचाई वाणिज्यिक 147-उत्तरांचल की लघुखाल नहरों का पुनरोद्धार 03-उत्तरांचल की लघुखाल नहरों का पुनरोद्धार संस्थाओं से पोषित (निर्वाही)-00 24-वृहत निर्माण कार्य ₹00 20000	1113	6777	12110	4701-मुख्य तथा मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परियोजनाएं 01-मध्यम सिंचाई वाणिज्यिक 140-नलकूपों का निर्माण 03-नलकूप (आरओआईडीएफ) 00-24-वृहत निर्माण कार्य ₹00 40000	1090	160	लघु खाल नहर में उपलब्ध बजट में से ₹00 40.00 लाख का व्यावर्तन नलकूपों के अन्तर्गत स्वीकृत नलकूपों निर्माण की योजनाओं पर किया जाना प्रस्तावित है।
योग 20000	1113	6777	12110	40000	1090	160	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट अनुमान परियोजना 150,151,155 एवं 156 में उल्लिखित प्रावधानों का उल्लंघन नहीं होता है।

सेवा में,

महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

- 1- विल अनुभाग-3 उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 2-वरिष्ठ कांषाधिकारी, देहरादून उत्तरांचल।

उत्तरांचल शासन
विल अनुभाग-3
संख्या: 401 (पू)/विअनु0-3/2003-04
देहरादून दिनांक 31.03.2005

पुनर्विनियोग स्वीकृत
(रमा खट्की)
सचिव (विल)

(महालेखाकार/सह सचिव)
अनु सचिव

(महालेखाकार/सह सचिव)
अनु सचिव